



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN21368	ImageGroup:	I3CN21375
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གསུང་འབུམ། ཏཱ་ར་ནཱ་ཐ། gsung 'bum/ tA ra nA tha/
Author:	ཏཱ་ར་ནཱ་ཐ། tA ra nA tha
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	6
Total Volumes:	17
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2019

४

पुष्प



॥ मन्त्रसिद्धये नमः ॥ मन्त्रसिद्धये नमः ॥ मन्त्रसिद्धये नमः ॥

॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ ह्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः
 सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः
 सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः
 सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः
 सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः



सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः
 सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः
 सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः
 सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः
 सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः सन्त्येते लोकाः

卷之四

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

五、關於「中國人」的定義

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

五言古詩

[illegible]

पुस्तकालय

[illegible]

[illegible]

五經方集卷之五

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

निष्कर्षः यथावेदः

॥ अमुण्येन वञ्चितेन देवाः सर्वे देवाः ॥

स्त्रियः सार्वभौमिकः

ཡག་ཏུ་ཐོབ་ཅིང་མཛད་སྤེལ་དེ་བཤམ་གྱི་

सुदृढपद्मसदस्यकुमारदत्त'वदन्प्रत्युत्तराय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

यिदमस्यो यमदेवतकस्युतस्यैभुवसरेवदुष्टेदपरिकुलकी
दुष्टुता । अदिदिदुविपेमेनपु। । विरकेवककेनकीरुतस्यवदु। । अदवपवककस्युतस्यैभुवसरेवदुष्टेदपरिकुलकी
युविगुविभुवस्यैभुवसरेवदुष्टेदपरिकुलकी । अदिदिदुविपेमेनपु। । विरकेवककेनकीरुतस्यवदु। । अदवपवककस्युतस्यैभुवसरेवदुष्टेदपरिकुलकी
कुलस्यैभुवस्यैभुवसरेवदुष्टेदपरिकुलकी । अदिदिदुविपेमेनपु। । विरकेवककेनकीरुतस्यवदु। । अदवपवककस्युतस्यैभुवसरेवदुष्टेदपरिकुलकी
वदुष्टुता । अदिदिदुविपेमेनपु। । विरकेवककेनकीरुतस्यवदु। । अदवपवककस्युतस्यैभुवसरेवदुष्टेदपरिकुलकी
विदुष्टुता । अदिदिदुविपेमेनपु। । विरकेवककेनकीरुतस्यवदु। । अदवपवककस्युतस्यैभुवसरेवदुष्टेदपरिकुलकी
वदुष्टुता । अदिदिदुविपेमेनपु। । विरकेवककेनकीरुतस्यवदु। । अदवपवककस्युतस्यैभुवसरेवदुष्टेदपरिकुलकी

[illegible]

三 呂 氏 子 孫 之 世 祿

[illegible]

[illegible]

五、總論

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

年 終 考 評

[illegible]

[illegible]

五、此書卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五言古詩

[illegible]

[illegible]

५. विषय-संश्लेषण

[illegible]

卷之四

[illegible]

五
年
六
月
廿
四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

四庫全書

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

四 五 六 七 八 九 十 十一 十二 十三 十四 十五 十六 十七 十八 十九 二十 二十一 二十二 二十三 二十四 二十五 二十六 二十七 二十八 二十九 三十 三十一 三十二 三十三 三十四 三十五 三十六 三十七 三十八 三十九 四十 四十一 四十二 四十三 四十四 四十五 四十六 四十七 四十八 四十九 五十 五十一 五十二 五十三 五十四 五十五 五十六 五十七 五十八 五十九 六十 六十一 六十二 六十三 六十四 六十五 六十六 六十七 六十八 六十九 七十 七十一 七十二 七十三 七十四 七十五 七十六 七十七 七十八 七十九 八十 八十一 八十二 八十三 八十四 八十五 八十六 八十七 八十八 八十九 九十 九十一 九十二 九十三 九十四 九十五 九十六 九十七 九十八 九十九 一百

[illegible]

[illegible]

20

10/10/2014

पञ्चमः प्रश्नः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

འཆད་དགོས་པར་བསྐྱེད་པའི་ཕྱི་གལ་ལ་ཆེན་ཅི་ལ་གྱུ།

དེ་དག་ལ་ངེས་པ་རྟོག་པ་ལོན་

ཕྱི་རྒྱལ་གྱི་སྐད་ཀྱི་འབྲེལ་ཆས་ལྟར་བློ་བྱུང་བའི་སྤྱི་ཚོམ་གྱི་ཁྱེད་ཀྱི་འཇམ་པ་ལྟར་བློ་བྱུང་བའི་སྤྱི་ཚོམ་གྱི་ཁྱེད་ཀྱི་འཇམ་པ་

५१३ अथ कथं च त्रिपुरायाः विनाशः ॥ ५१३ ॥
५१४ अथ कथं च त्रिपुरायाः विनाशः ॥ ५१४ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

वाङ्मयसिद्धयर्थेऽप्युक्तम्।

ལེའུག་ཤེས་པ་འདྲ་ལྷན་པར་བཤད་པའི་

༡ དེ་ལྟར་ལྷན་སྐྱེས་པ་དཔེ་དོན་གྱི་ཡ་ཤལ་རྣམས་པར་དབྱེ་

25

॥ दण्डेन च दण्डेन च दण्डेन च दण्डेन च दण्डेन च ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

འཛིན་པ་ལྟོས་པའི་ལྷན་པོ་ལྟེན་པའི་ལྷན་པོ་

॥ दिव्यशुद्धिद्वयं च यथावदभ्यस्य ॥
॥ अथ शिवशक्त्या युक्तं च यथावदभ्यस्य ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

बुधवार १३ अश्विन १९७७

123456789101112131415161718192021222324252627282930313233343536373839404142434445464748495051525354555657585960616263646566676869707172737475767778798081828384858687888990919293949596979899100

第 11 頁

1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 2680, 26



2014年12月15日

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

वृक्षस्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

7. 五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十、二十一、二十二、二十三、二十四、二十五、二十六、二十七、二十八、二十九、三十、三十一、三十二、三十三、三十四、三十五、三十六、三十七、三十八、三十九、四十、四十一、四十二、四十三、四十四、四十五、四十六、四十七、四十八、四十九、五十、五十一、五十二、五十三、五十四、五十五、五十六、五十七、五十八、五十九、六十、六十一、六十二、六十三、六十四、六十五、六十六、六十七、六十八、六十九、七十、七十一、七十二、七十三、七十四、七十五、七十六、七十七、七十八、七十九、八十、八十一、八十二、八十三、八十四、八十五、八十六、八十七、八十八、八十九、九十、九十一、九十二、九十三、九十四、九十五、九十六、九十七、九十八、九十九、一百。

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

2

2020

For the purpose of this study, the following hypotheses were formulated:

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

संस्कृत-विश्वकोष

[illegible]



पुनर्विचार के लिए प्रार्थना

[illegible]

四庫全書

[illegible]

[illegible]

वृक्षस्य पत्रस्य च

[illegible]

四庫全書

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

संस्कृत-विभाग

[illegible]

[illegible]

[illegible]

महोदयः

[illegible]

[illegible][illegible]

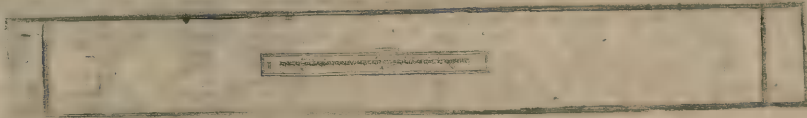
बुधदण । पञ्चमीया ॥ ॥ पञ्चमीयादणोपहृत्यपञ्चमीयादणोपहृत्य ॥
 वेणुसंज्ञकत्वा । इत्यपि पञ्चमीयादणोपहृत्यपञ्चमीयादणोपहृत्य ॥
 इत्यपि पञ्चमीयादणोपहृत्यपञ्चमीयादणोपहृत्य ॥ ॥ पञ्चमीयादणोपहृत्य ॥
 पञ्चमीयादणोपहृत्य ॥ इत्यपि पञ्चमीयादणोपहृत्यपञ्चमीयादणोपहृत्य ॥
 मञ्चमीयादणोपहृत्यपञ्चमीयादणोपहृत्य ॥ पञ्चमीयादणोपहृत्यपञ्चमीयादणोपहृत्य ॥

बुधदण । पञ्चमीया ॥ ॥ पञ्चमीयादणैः पञ्चमीयादणैः पञ्चमीयादणैः ॥
 वैशाखशुक्लपक्षे । बुधदणैः पञ्चमीयादणैः पञ्चमीयादणैः ॥
 इत्येवमेव । बुधदणैः पञ्चमीयादणैः पञ्चमीयादणैः ॥
 पञ्चमीयादणैः पञ्चमीयादणैः पञ्चमीयादणैः ॥
 पञ्चमीयादणैः पञ्चमीयादणैः पञ्चमीयादणैः ॥

[illegible]



Handwritten text, possibly a signature or date, located on the left margin.



1994

पञ्चमः । अक्षय्याश्विनाशुक्लपक्षे । अश्विनाशुक्लपक्षे । अश्विनाशुक्लपक्षे । अश्विनाशुक्लपक्षे । अश्विनाशुक्लपक्षे ।

विष्णुसहस्रनाम ॥ १ ॥

1. The first part of the text discusses the importance of maintaining accurate records of all transactions, including sales, purchases, and expenses. It emphasizes that proper record-keeping is essential for determining the correct amount of tax liability.

[Faint, illegible handwritten text across the page]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

30

[illegible]

[illegible]

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु । अर्जुनसंवादे । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



12

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

20

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१५४

[illegible]



सर्वज्ञानसिद्धिः

[illegible]

19

Wardlaw, J. D.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१०
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

११
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

११
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

51 11 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 1045 1046 1047 1048 1049 1050

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इत्युक्तं श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इत्युक्तं श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

55-35989 9/16/2009 12:44

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

Whitely, L. 2000

[illegible]

2

[illegible]

2023 2024

909

५०। तदप्यहं ह्यहं नमस्तुते। येन विदमस्तु तदप्यहं ह्यहं नमस्तुते।

129

[illegible]

93

[illegible]

[illegible]

20

[illegible]

[illegible]

1001

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1951

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मीना । १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥ १११ ॥ ११२ ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥ १२१ ॥ १२२ ॥ १२३ ॥ १२४ ॥ १२५ ॥ १२६ ॥ १२७ ॥ १२८ ॥ १२९ ॥ १३० ॥ १३१ ॥ १३२ ॥ १३३ ॥ १३४ ॥ १३५ ॥ १३६ ॥ १३७ ॥ १३८ ॥ १३९ ॥ १४० ॥ १४१ ॥ १४२ ॥ १४३ ॥ १४४ ॥ १४५ ॥ १४६ ॥ १४७ ॥ १४८ ॥ १४९ ॥ १५० ॥ १५१ ॥ १५२ ॥ १५३ ॥ १५४ ॥ १५५ ॥ १५६ ॥ १५७ ॥ १५८ ॥ १५९ ॥ १६० ॥ १६१ ॥ १६२ ॥ १६३ ॥ १६४ ॥ १६५ ॥ १६६ ॥ १६७ ॥ १६८ ॥ १६९ ॥ १७० ॥ १७१ ॥ १७२ ॥ १७३ ॥ १७४ ॥ १७५ ॥ १७६ ॥ १७७ ॥ १७८ ॥ १७९ ॥ १८० ॥ १८१ ॥ १८२ ॥ १८३ ॥ १८४ ॥ १८५ ॥ १८६ ॥ १८७ ॥ १८८ ॥ १८९ ॥ १९० ॥ १९१ ॥ १९२ ॥ १९३ ॥ १९४ ॥ १९५ ॥ १९६ ॥ १९७ ॥ १९८ ॥ १९९ ॥ २०० ॥

[illegible]

[illegible]

७७। अथ च वचनं परमार्थस्यैव न विद्यते । अथ च वचनं परमार्थस्यैव न विद्यते । अथ च वचनं परमार्थस्यैव न विद्यते ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

122

प्राप्त

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

700

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

— 1944 —

[illegible]

卷之四

७३। ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इत्येकं नाम । इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसंग्रहे प्रथमेऽध्याये श्रीपञ्चरत्ननाम्नः ।

Handwritten text in a script, possibly Indic, located in the lower-left quadrant of the page. The text is faint and difficult to decipher.

Handwritten text in a script, possibly Indic, located in the center of the page. The text is faint and difficult to decipher.

Handwritten text in a script, possibly Indic, located in the lower-right quadrant of the page. The text is faint and difficult to decipher.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ

991

यद्विषयस्य कृष्णं निश्चयं मुनिः।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

五

॥३॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥५॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

दुष्टसुखेणददयिषुमविप्रयगदय ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

(Faint handwritten Devanagari script)

कमलपत्र कर्मसमर्थक।

कथं नृपतेः पदं पश्यन् । सुकृतं । ५

विद्युत्तमस्य चन्द्रोदयः सुप्रसिद्धः यथा ।

३१०७८६५

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

BETTER BUSINESS BUREAU

अथ दण्डनोक्तं धर्मसूत्रम्

[illegible]

2017年1月

RECEIVED

3. 1990年10月1日以后，凡在北京市区范围内从事经营活动的个体工商户，其经营范围均应在《营业执照》中注明。

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to extreme contrast reduction. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript from the previous page.]

151

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् ।

मदयः कजकुळस मदवस्तु पचपत्ते दपकुं नरे दणपको लल र्भे जदे सुदहा वरका सुं दं मचकवकाश

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

हे साधक ! यहाँ तो तुम्हें देवताओं का आश्रय मिलेगा ।

॥ अथ चरितं ॥ अथ चरितं ॥ अथ चरितं ॥ अथ चरितं ॥ अथ चरितं ॥

अथ चतुर्थः प्रश्नः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible][illegible]

॥ इत्युक्तं ॥

३७५

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

卷之五

[illegible]

अथैवमस्मिन्मन्त्रे ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पुस्तक संख्या १५५५

इन्द्राक्षरस्य

101

अथ यत्र प्रसन्नो भवति ।

[illegible]

॥ दत्त पञ्चकशं ध्यात्वा मन्त्रं ॥

परमेश्वर

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of Sanskrit verse.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of Sanskrit or Indic script.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a collection of Sanskrit or Hindi verses arranged in approximately eight horizontal lines.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

191

4443

324

100

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

100

10454143

दशैकपञ्चमस्यैव

यथा यत्नदस्य कृपया पश्यदण्डदहुकं यत्न।

विश्वविद्यालयः, मुद्रादलः, मुद्रादलः

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1901

[illegible]

सुखदुःखसंसारमयं जगत्सर्वं ॥

यथायमं गुणं हृत्तु । विषय

(Faint handwritten notes at the bottom of the page)

...

2013年12月10日

१७७७

सर्वप्रथम

सह ! । सुमयस्य दत्तुं दयकं तु

[illegible][illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

सुप्रसन्नः

1890

4728952561 4728952561

३। चक्षुःश्रवणस्पर्शरसगन्धस्पर्श

संस्कृत-विश्वकोषः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1873-1874

[illegible]

1870

1844

...

... 1000 ...

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

... ..

1970年1月1日

1870

[The text in this block is extremely faint and mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of Sanskrit or Hindi script.]

129

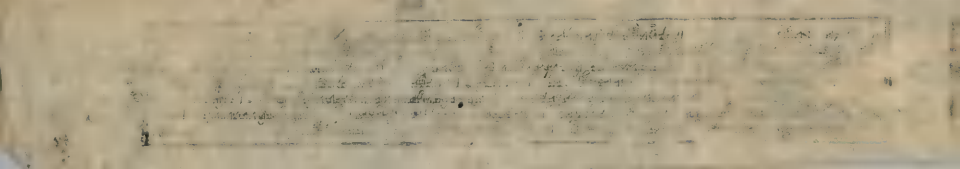
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

W

दिद्विद्विगसाम्बर्द्धित्येव सङ्खुणाय वहुताय लोकाय बहुलाया ।

明倫彙編

[illegible]

42

[illegible]

[illegible]

[illegible]



७। पञ्चमः प्रश्नः । अथ चत्वारिंशदध्यायः ।
अथ चत्वारिंशदध्यायः ।

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

10

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

45

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit script.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पञ्चदशमस्कन्धे श्रीविष्णुसहस्रनाम्नः ।
 नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ विष्णुसहस्रनाम्नः ।
 १. श्रीकृष्णाय नमः ।
 २. श्रीरामाय नमः ।
 ३. श्रीबाल्याय नमः ।
 ४. श्रीजयद्रथाय नमः ।
 ५. श्रीअर्जुनाय नमः ।
 ६. श्रीभिमसाय नमः ।
 ७. श्रीकर्णाय नमः ।
 ८. श्रीगुहाय नमः ।
 ९. श्रीसुराष्ट्राय नमः ।
 १०. श्रीकृतवान्त्यै नमः ।
 ११. श्रीकुरुक्षेत्राय नमः ।
 १२. श्रीपाण्डवाय नमः ।
 १३. श्रीद्रुपदाय नमः ।
 १४. श्रीभीमार्जुनाय नमः ।
 १५. श्रीकृष्णाय नमः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पुस्तक संख्या

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । पञ्चमस्कण्डेन प्रारम्भं । प्रथमस्कण्डेन प्रारम्भं । द्वितीयस्कण्डेन प्रारम्भं । तृतीयस्कण्डेन प्रारम्भं । चतुर्थस्कण्डेन प्रारम्भं । पञ्चमस्कण्डेन प्रारम्भं । षष्ठस्कण्डेन प्रारम्भं । सप्तमस्कण्डेन प्रारम्भं । अष्टमस्कण्डेन प्रारम्भं । नवमस्कण्डेन प्रारम्भं । दशमस्कण्डेन प्रारम्भं । एवमपि ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

(Faint handwritten text at the bottom of the page, likely bleed-through from the reverse side.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise. It appears to contain multiple lines of handwritten script.)

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

1892

ॐ। षडङ्गुअसदम पसाहुअथकद पापुअदपयेका सुँरुतिरेण सुँरायकदङ्गुअथक्रिया ज्ञापनेष दद पुनस पकुद मयासकद येणे र अर्धेदपवायवेण
 पुपुयहोयजयेउमुळें कुअस गुदा दगहुद ददतावेदप कुरि पावैरु व नठस यमाद। एषाहु नसाद पुनस तुलाहु दण वव अदे पुदणर पदेकं य मुस बद्ध स पकी दयेस देस मेस
 पवि धन सोय पिडे पसा। कसअ पेद पीये डी डी उगेद पदर । इत्योइअर्थे सुँरुत य हुद दद सुँरा राते द ग्रीष्मार्कं यणद रं पुद वेदे। सुँरु सुँरुहा प पेदु पसा विआमसा दा माद डी का
 सापस गुद पसा स प दद पदर सिडा। येण रेणस देदम दद मर पदसे र पुद मदा सुँरु हाकेयस ह्वेयस या पुद। सुअय सुँरु पुगुद पुद पारे ववस पिडे की पाद पुँस पुनर विण पुद
 हेअ प पसा सेणस तेद वस सुँरु पेरे व स गुद स सेव मर रेण प पुनस यय पसा पुनस य पदन मेस। इर पउरे ये ने वर्धेद प दण था सुँरुद स वस र के स दद सुँरु प कुद दद। ज्ञापनेष
 दद। इहणं य पुदे पुँस अदे पदवस पल सी पद पुँ। सुँरु इअद पुँर मर कुद ताहुद पारे वय पुद ताहुद पय दयेस सो हेहे वहेणस ताहुद तेउ ये रे य ज येउ था। कमेण पुद द न थ
 के प पुप पुँर सुँर पुन येउ रे दे दण येउ गुदा सुँर दये य पुँयेक क मय रे परे सस पद द पुँस न दुअस पुअद पुनस पारे सुँर दद। लदेउ हेणस पुँर पद प यसा ये प पाद ताद

[illegible]

॥ यत्किञ्चिदप्युच्यते तत्तदर्थं यत्किञ्चिदप्युच्यते तत्तदर्थं ॥
 ॥ यत्किञ्चिदप्युच्यते तत्तदर्थं यत्किञ्चिदप्युच्यते तत्तदर्थं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । यथा ह्यहोरात्रं न ज्ञाते भगवन्
तथा मा भजते भगवत्पदं । तस्यैव कथञ्चन भगवत्पदं । तस्यैव कथञ्चन भगवत्पदं ।



सुभाषित ७४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सुभाषित ७४

सुभाषित ७४

सुभाषित ७४

सुभाषित ७४

सुभाषित ७४

सुभाषित ७४

सुभाषित ७४

सुभाषित ७४

सुभाषित ७४

सुभाषित ७४

सुभाषित ७४



सुभाषित ७४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

कथाया

देवि

शरद

वक्रवर्णपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

। ददद्देवताकदम पदपुत्रपुत्राया

[illegible]

[illegible]

321

॥ १ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

इति ह्येवमपि

समुद्रगङ्गासङ्घटनः ५३५

सुदमपुत्रकन्याभारतसुप्रभाकररत्नलक्ष्मीशरणम्

पञ्चमः सप्तमः पुनस्तु नन्दप्रसादस्य पञ्चमः मदकामधेयस्य

[illegible]

1245500

॥ अथ शिवसंज्ञा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

५८५२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९१००१०११०२१०३१०४१०५१०६१०७१०८१०९११०१११११२११३११४११५११६११७११८११९१२०१२११२२१२३१२४१२५१२६१२७१२८१२९१३०१३१३२१३३१३४१३५१३६१३७१३८१३९१४०१४११४२१४३१४४१४५१४६१४७१४८१४९१५०१५११५२१५३१५४१५५१५६१५७१५८१५९१६०१६११६२१६३१६४१६५१६६१६७१६८१६९१७०१७११७२१७३१७४१७५१७६१७७१७८१७९१८०१८११८२१८३१८४१८५१८६१८७१८८१८९१९०१९११९२१९३१९४१९५१९६१९७१९८१९९२००२०१२०२२०३२०४२०५२०६२०७२०८२०९२१०२११२१२२२१३२१४२१५२१६२१७२१८२१९२२०२२१२२२२३२२४२२५२२६२२७२२८२२९२३०२३१२३२२३३२३४२३५२३६२३७२३८२३९२४०२४१२४२२४३२४४२४५२४६२४७२४८२४९२५०२५१२५२२५३२५४२५५२५६२५७२५८२५९२६०२६१२६२२६३२६४२६५२६६२६७२६८२६९२७०२७१२७२२७३२७४२७५२७६२७७२७८२७९२८०२८१२८२२८३२८४२८५२८६२८७२८८२८९२९०२९१२९२२९३२९४२९५२९६२९७२९८२९९३००३०१३०२३०३३०४३०५३०६३०७३०८३०९३१०३११३१२३१३३१४३१५३१६३१७३१८३१९३२०३२१३२२३२३३२४३२५३२६३२७३२८३२९३३०३३१३३२३३३३३४३३५३३६३३७३३८३३९३४०३४१३४२३४३३४४३४५३४६३४७३४८३४९३५०३५१३५२३५३३५४३५५३५६३५७३५८३५९३६०३६१३६२३६३३६४३६५३६६३६७३६८३६९३७०३७१३७२३७३३७४३७५३७६३७७३७८३७९३८०३८१३८२३८३३८४३८५३८६३८७३८८३८९३९०३९१३९२३९३३९४३९५३९६३९७३९८३९९४००४०१४०२४०३४०४४०५४०६४०७४०८४०९४१०४११४१२४१३४१४४१५४१६४१७४१८४१९४२०४२१४२२४२३४२४४२५४२६४२७४२८४२९४३०४३१४३२४३३४३४४३५४३६४३७४३८४३९४४०४४१४४२४४३४४४४४५४४६४४७४४८४४९४५०४५१४५२४५३४५४४५५४५६४५७४५८४५९४६०४६१४६२४६३४६४४६५४६६४६७४६८४६९४७०४७१४७२४७३४७४४७५४७६४७७४७८४७९४८०४८१४८२४८३४८४४८५४८६४८७४८८४८९४९०४९१४९२४९३४९४४९५४९६४९७४९८४९९५००५०१५०२५०३५०४५०५५०६५०७५०८५०९५१०५११५१२५१३५१४५१५५१६५१७५१८५१९५२०५२१५२२५२३५२४५२५५२६५२७५२८५२९५३०५३१५३२५३३५३४५३५५३६५३७५३८५३९५४०५४१५४२५४३५४४५४५५४६५४७५४८५४९५५०५५१५५२५५३५५४५५५५५६५५७५५८५५९५६०५६१५६२५६३५६४५६५५६६५६७५६८५६९५७०५७१५७२५७३५७४५७५५७६५७७५७८५७९५८०५८१५८२५८३५८४५८५५८६५८७५८८५८९५९०५९१५९२५९३५९४५९५५९६५९७५९८५९९६००६०१६०२६०३६०४६०५६०६६०७६०८६०९६१०६११६१२६१३६१४६१५६१६६१७६१८६१९६२०६२१६२२६२३६२४६२५६२६६२७६२८६२९६३०६३१६३२६३३६३४६३५६३६६३७६३८६३९६४०६४१६४२६४३६४४६४५६४६६४७६४८६४९६५०६५१६५२६५३६५४६५५६५६६५७६५८६५९६६०६६१६६२६६३६६४६६५६६६६६७६६८६६९६७०६७१६७२६७३६७४६७५६७६६७७६७८६७९६८०६८१६८२६८३६८४६८५६८६६८७६८८६८९६९०६९१६९२६९३६९४६९५६९६६९७६९८६९९७००७०१७०२७०३७०४७०५७०६७०७७०८७०९७१०७११७१२७१३७१४७१५७१६७१७७

INSTRUMENT

[illegible]

五、

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

संख्या ३५ संख्या ३५ संख्या ३५ संख्या ३५ संख्या ३५

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

李維

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १० ॥

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सोः पांडवो बलधरः
 सौमित्रो विराटश्च द्रुपदश्च
 धर्मर्षिस्तथा शुकप्रह्लादौ च ॥
 ततश्चात्मजमुखाय विसृज्य
 हस्तेनैव प्रसादात्ततः पुरा
 त्पुनरेव तत्रैव निशितमुखः
 प्राप्नुयात्ततः परमात्मना ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सोः पांडवो बलधरः
 सौमित्रो विराटश्च द्रुपदश्च
 धर्मर्षिस्तथा शुकप्रह्लादौ च ॥
 ततश्चात्मजमुखाय विसृज्य
 हस्तेनैव प्रसादात्ततः पुरा
 त्पुनरेव तत्रैव निशितमुखः
 प्राप्नुयात्ततः परमात्मना ॥

[illegible]

۱۹۱

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

卷之四

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुदेवाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

卷之四

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ཅུ། བཅོམ་ཡུལ་འདམས་ག་མེད་རྒྱུ་ག་མེད་ལ་ཕྱོད་ལུགས་ལུས་ཀྱི་སྒྲུབ་ཐབས་རྩོམ་པའི་མེད་མེད་ལེ་མཁུ་བ་བཟུགས་པ་ལོ།

ॐॐॐ॥ ॥ अमुं ॥ कर्मसु सुतमुप ॥ यद्विषयस्य परमं तस्य कर्मस्य मेव हेतुं कर्म ॥ यद्विषयस्य परमं तस्य कर्मस्य मेव हेतुं कर्म ॥
 त्रिषयस्य हेतुस्य ॥ ॥ अमुं ॥ कर्मस्य सुतमुप ॥ यद्विषयस्य परमं तस्य कर्मस्य मेव हेतुं कर्म ॥ यद्विषयस्य परमं तस्य कर्मस्य मेव हेतुं कर्म ॥
 यद्विषयस्य परमं तस्य कर्मस्य मेव हेतुं कर्म ॥ यद्विषयस्य परमं तस्य कर्मस्य मेव हेतुं कर्म ॥ यद्विषयस्य परमं तस्य कर्मस्य मेव हेतुं कर्म ॥
 त्रिषयस्य हेतुस्य ॥ ॥ अमुं ॥ कर्मस्य सुतमुप ॥ यद्विषयस्य परमं तस्य कर्मस्य मेव हेतुं कर्म ॥ यद्विषयस्य परमं तस्य कर्मस्य मेव हेतुं कर्म ॥

ॐ॥

पुष्पसिद्धिपुष्पसुदुर्लभम् ।

सुदुर्लभम् । सुदुर्लभम् ।

पुष्पसिद्धिपुष्पसुदुर्लभम् ।

॥ पुष्पसिद्धिपुष्पसुदुर्लभम् ।

सुदुर्लभम् । सुदुर्लभम् ।

पुष्पसिद्धिपुष्पसुदुर्लभम् ।

पुष्पसिद्धिपुष्पसुदुर्लभम् ।

पुष्पसिद्धिपुष्पसुदुर्लभम् ।

सुदुर्लभम् । सुदुर्लभम् ।

पुष्पसिद्धिपुष्पसुदुर्लभम् ।

पुष्पसिद्धिपुष्पसुदुर्लभम् ।

पुष्पसिद्धिपुष्पसुदुर्लभम् ।

सुदुर्लभम् । सुदुर्लभम् ।

पुष्पसिद्धिपुष्पसुदुर्लभम् ।

पुष्पसिद्धिपुष्पसुदुर्लभम् ।

ॐ॥

पुष्पसिद्धिपुष्पसुदुर्लभम् ।

सुदुर्लभम् । सुदुर्लभम् ।

पुष्पसिद्धिपुष्पसुदुर्लभम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १० ॥

[illegible]

CH

[illegible]

45905 46255 46500 46750 47000 47250 47500 47750 48000 48250 48500 48750 49000 49250 49500 49750 50000 50250 50500 50750 51000 51250 51500 51750 52000 52250 52500 52750 53000 53250 53500 53750 54000 54250 54500 54750 55000 55250 55500 55750 56000 56250 56500 56750 57000 57250 57500 57750 58000 58250 58500 58750 59000 59250 59500 59750 60000 60250 60500 60750 61000 61250 61500 61750 62000 62250 62500 62750 63000 63250 63500 63750 64000 64250 64500 64750 65000 65250 65500 65750 66000 66250 66500 66750 67000 67250 67500 67750 68000 68250 68500 68750 69000 69250 69500 69750 70000 70250 70500 70750 71000 71250 71500 71750 72000 72250 72500 72750 73000 73250 73500 73750 74000 74250 74500 74750 75000 75250 75500 75750 76000 76250 76500 76750 77000 77250 77500 77750 78000 78250 78500 78750 79000 79250 79500 79750 80000 80250 80500 80750 81000 81250 81500 81750 82000 82250 82500 82750 83000 83250 83500 83750 84000 84250 84500 84750 85000 85250 85500 85750 86000 86250 86500 86750 87000 87250 87500 87750 88000 88250 88500 88750 89000 89250 89500 89750 90000 90250 90500 90750 91000 91250 91500 91750 92000 92250 92500 92750 93000 93250 93500 93750 94000 94250 94500 94750 95000 95250 95500 95750 96000 96250 96500 96750 97000 97250 97500 97750 98000 98250 98500 98750 99000 99250 99500 99750 100000

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

03-11

[illegible]

[illegible]

189

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

३२५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

६०

050 11

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to severe blurring and noise.]

李

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

張

[illegible]

[illegible]

12

[illegible]

[illegible]

CA

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

44

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

३३५

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the liturgical or philosophical text found on the previous page.]

[illegible]

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

24

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

1959

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之六

[illegible]

20

७। ॥ यमिदं ह्येव तदेव यमिदं ह्येव तदेव यमिदं ह्येव तदेव ॥



1957

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

५३

25

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

१६. म. ख. अ. ३०५

[illegible]

[illegible]

三

७।। अथ यथा विदुः कर्तव्यं तदुच्यते ॥ अथ यथा विदुः कर्तव्यं तदुच्यते ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

191

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

ॐ । ग सु ह म ऋ ३ सुं य त सु ह । प दे व सु य द र द । ॐ सु सु मे ह त य खी ह न सु ह प ऋ ३ य त सु ह । सु ह द र द । ॐ सु ह त सु त य ग ह र सु ह प ऋ ३ य त सु ह । र व द सु व ह सु ।
ॐ ह न गी के द सु ह द स य के द । र द य सु द न क स य सु री द त्रि य य री द द स य सु द स । द स य सु री द र द य री द य के । र व स त्रि य द व त्रि य री द । य के द सु व द र स य सु द य मी द हे क न र व स य
द सु । य म सु व प री यी प र यो द य वि द य सु द य । ॐ स ह ह म न ह मी र सु य द री स य री सु र य क सु ह सु ह । र य वि द सु ह सु ह । य द । ॐ य ह सु ह ऋ ३ । सु ह । ॐ यो गी । य ह । के स ह ।
ॐ य ह य सु ऋ ३ । वि स य य द । ॐ स री सु य स त्रि य स र सु र य री । य के द हे क स मी द य सु द स य सु र सु य सु ह सु द य स य क र री द य सु द री । सु व द ह स सु र सु द र द सु र य क र द य । वि स र य
दि के द सु यी य ग री । सु य य मी द हे क मी द य य । सु य य य द य र सु य के र य । के स स क स य री द य सु य री । सु य य र सु य द य स य स य स य स य स य । र द य हे द य री द य सु र सु र सु
य सु य य । ॐ स री सु य स य र सु य स य स य स य स य । य य सु सु य मी द हे क मी द य र य । सु य सु र य री य सु य स र द य वि द । त्रि द य सु र य री य सु य स र री द य । सु य
सु री द र य वि द सु र य । त्रि द सु र सु य सु र सु र । स सु द री स री य य । क न स य स य सु द य सु री य री । य र य री त्रि द री य र य स य । सु य स सु य सु द य य री सु । सु य

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

201

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
एवाहमेतद्विप्रा । मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत
सज्जनमा । संभवति मे दुःखं तत्रास्मिन् । दूरात्
प्रस्थित्येतद्भारतम् । युधिष्ठिर उवाच । महर्षि-
वर्य ! त्वं प्रदिशस्व मया श्रुतं । पांडवैर्युद्धे
बध्नात इति । कुरुक्षेत्रे समवेता एवाहमेतद्विप्रा ।
मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनमा । संभवति
मे दुःखं तत्रास्मिन् । दूरात् प्रस्थित्येतद्भारतम् । युधि-
ष्ठिर उवाच । महर्षिवर्य ! त्वं प्रदिशस्व मया श्रुतं ।
पांडवैर्युद्धे बध्नात इति । कुरुक्षेत्रे समवेता एवाहमे-
तद्विप्रा । मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनमा ।
संभवति मे दुःखं तत्रास्मिन् । दूरात् प्रस्थित्येतद्भारतम् ।
युधिष्ठिर उवाच । महर्षिवर्य ! त्वं प्रदिशस्व मया श्रुतं ।
पांडवैर्युद्धे बध्नात इति । कुरुक्षेत्रे समवेता एवाहमे-
तद्विप्रा । मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनमा ।
संभवति मे दुःखं तत्रास्मिन् । दूरात् प्रस्थित्येतद्भारतम् ।

[illegible]

21

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

... ॥ १ ॥ ... ॥ २ ॥ ... ॥ ३ ॥ ... ॥ ४ ॥ ... ॥ ५ ॥ ... ॥ ६ ॥ ... ॥ ७ ॥ ... ॥ ८ ॥ ... ॥ ९ ॥ ... ॥ १० ॥ ... ॥ ११ ॥ ... ॥ १२ ॥ ... ॥ १३ ॥ ... ॥ १४ ॥ ... ॥ १५ ॥ ... ॥ १६ ॥ ... ॥ १७ ॥ ... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ... ॥ २३ ॥ ... ॥ २४ ॥ ... ॥ २५ ॥ ... ॥ २६ ॥ ... ॥ २७ ॥ ... ॥ २८ ॥ ... ॥ २९ ॥ ... ॥ ३० ॥ ... ॥ ३१ ॥ ... ॥ ३२ ॥ ... ॥ ३३ ॥ ... ॥ ३४ ॥ ... ॥ ३५ ॥ ... ॥ ३६ ॥ ... ॥ ३७ ॥ ... ॥ ३८ ॥ ... ॥ ३९ ॥ ... ॥ ४० ॥ ... ॥ ४१ ॥ ... ॥ ४२ ॥ ... ॥ ४३ ॥ ... ॥ ४४ ॥ ... ॥ ४५ ॥ ... ॥ ४६ ॥ ... ॥ ४७ ॥ ... ॥ ४८ ॥ ... ॥ ४९ ॥ ... ॥ ५० ॥ ... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

৩০৭০

[illegible]

[illegible]

[illegible]

۱۵۲

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

। वसुदेवस्य कृपा भवति विविधा । विदुषां कर्मास्तु वा सदा सत्सु वा ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

◎ 研究論文

李 華

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ ह्रीं क्लीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

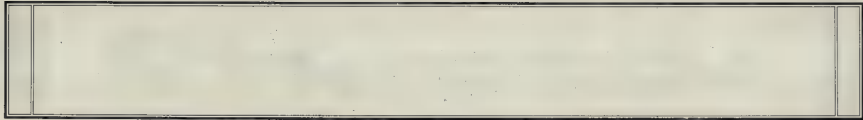
सिद्धिपत्रिका

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 पादौ सौन्दर्यं वदेत्कर्मस्यपि सा ॥ पशुपदे वासुदेवो वै सः सर्वो नमो वा ॥
 पशुपतिं नमस्कृत्य ॥ पशुपतौ नमो नमः ॥ पशुपतौ नमो नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

卷之四

۱۹۹۱

[illegible]

25

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिं शिष्यं त्वैव मे गुरुम् ॥ २ ॥
 त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं ॥ ३ ॥
 त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं ॥ ४ ॥
 त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं ॥ ५ ॥
 त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं ॥ ६ ॥
 त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं ॥ ७ ॥
 त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं ॥ ८ ॥
 त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं ॥ ९ ॥
 त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं त्वत्पुत्रं ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पदेष्टेतिदृष्टं पदयथा। नृसिंहचरितम्। सप्तमस्कन्धः। अथैकस्मिन्नेव दिने विष्णुस्य चतुर्दशविधायाः पूजायाः उपायः। एतेषां कृत्यानां फलं भवति।
एतेषां कृत्यानां फलं भवति। एतेषां कृत्यानां फलं भवति। एतेषां कृत्यानां फलं भवति। एतेषां कृत्यानां फलं भवति।
एतेषां कृत्यानां फलं भवति। एतेषां कृत्यानां फलं भवति। एतेषां कृत्यानां फलं भवति। एतेषां कृत्यानां फलं भवति।
एतेषां कृत्यानां फलं भवति। एतेषां कृत्यानां फलं भवति। एतेषां कृत्यानां फलं भवति। एतेषां कृत्यानां फलं भवति।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

591

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥	॥ ॐ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
--	--	--	--

Handwritten text, possibly a list or index, with several lines of cursive script. The text is faint and difficult to decipher, but appears to be organized into columns or sections.



ॐ॥ चत्वारिंशद्वर्षाणि भूयः कुरुते । तदा भूयः कुरुते । तदा भूयः कुरुते । तदा भूयः कुरुते ॥

१ मन्त्रसूत्रं ॥ १ ॥



॥ यथा यथा मन्त्रसूत्रं ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मन्त्रसूत्रं ॥ १ ॥
 यथा यथा मन्त्रसूत्रं ॥ १ ॥
 यथा यथा मन्त्रसूत्रं ॥ १ ॥
 यथा यथा मन्त्रसूत्रं ॥ १ ॥



॥ यथा यथा मन्त्रसूत्रं ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मन्त्रसूत्रं ॥ १ ॥
 यथा यथा मन्त्रसूत्रं ॥ १ ॥
 यथा यथा मन्त्रसूत्रं ॥ १ ॥
 यथा यथा मन्त्रसूत्रं ॥ १ ॥



॥ यथा यथा मन्त्रसूत्रं ॥ १ ॥



ॐ । अथैतदुपनिषत्सु । अथैतदुपनिषत्सु । अथैतदुपनिषत्सु ।
 अथैतदुपनिषत्सु । अथैतदुपनिषत्सु । अथैतदुपनिषत्सु ।
 अथैतदुपनिषत्सु । अथैतदुपनिषत्सु । अथैतदुपनिषत्सु ।
 अथैतदुपनिषत्सु । अथैतदुपनिषत्सु । अथैतदुपनिषत्सु ।
 अथैतदुपनिषत्सु । अथैतदुपनिषत्सु । अथैतदुपनिषत्सु ।
 अथैतदुपनिषत्सु । अथैतदुपनिषत्सु । अथैतदुपनिषत्सु ।



ॐ । अथैतदुपनिषत्सु ।

ॐ । अथैतदुपनिषत्सु ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

1944

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3

1994

[illegible]

[illegible]

74 55000

विशेष

[illegible]

[illegible]

१० प्रश्न उत्तर

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१०८
५०५
५०५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

20

1997

5555

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2007

29924

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



2004

1994

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सिद्धिदायक
पुस्तकें

[illegible]

[illegible]



第 4 章

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2000

2007

[illegible]

संविधानसभा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

১৯৯৯
 ১৯৯৯
 ১৯৯৯

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः समासुराः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहम् ॥
 पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहम् ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

RECEIVED BY BUREAU

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

अथर्ववेद, अथर्वश्रुति, अथर्वसंहिता

[illegible]

[illegible]

[illegible]

--	--	--